

प्लाज़्मा आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

तीन भारतीय उद्योगों के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते निष्पादित किए गए थे: (क) अपशिष्ट निपटान के लिए प्लाज़्मा पायरोलिसिस प्रौद्योगिकी से संबंधित तकनीकी जानकारी मैसर्स एक्सेल इंडस्ट्रीज को हस्तांतरित की गई थी। (ख) प्लाज़्मा प्रक्रिया का उपयोग करके धातु ऑक्साइड नैनो पाउडर के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी को मैसर्स एफसीजी हाई-टेक प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया गया था। दवाइयाँ, रंग, रसायन, उर्वरक और कृषि-पोषक तत्व, पशु स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में धातु ऑक्साइड नैनो पाउडर के अत्यधिक अनुप्रयोग हैं। (c) अगस्त्य-400 प्रौद्योगिकी, एक तरल नाइट्रोजन शीतलित क्रायोपंप, जो अति उच्च निर्वात (यूएचवी) स्थितियों के उत्पादन के लिए जल वाष्प और नाइट्रोजन की उच्च गति पंपिंग में सक्षम है, को मैसर्स सेनेर्ज इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस को स्थानांतरित कर दिया गया था।

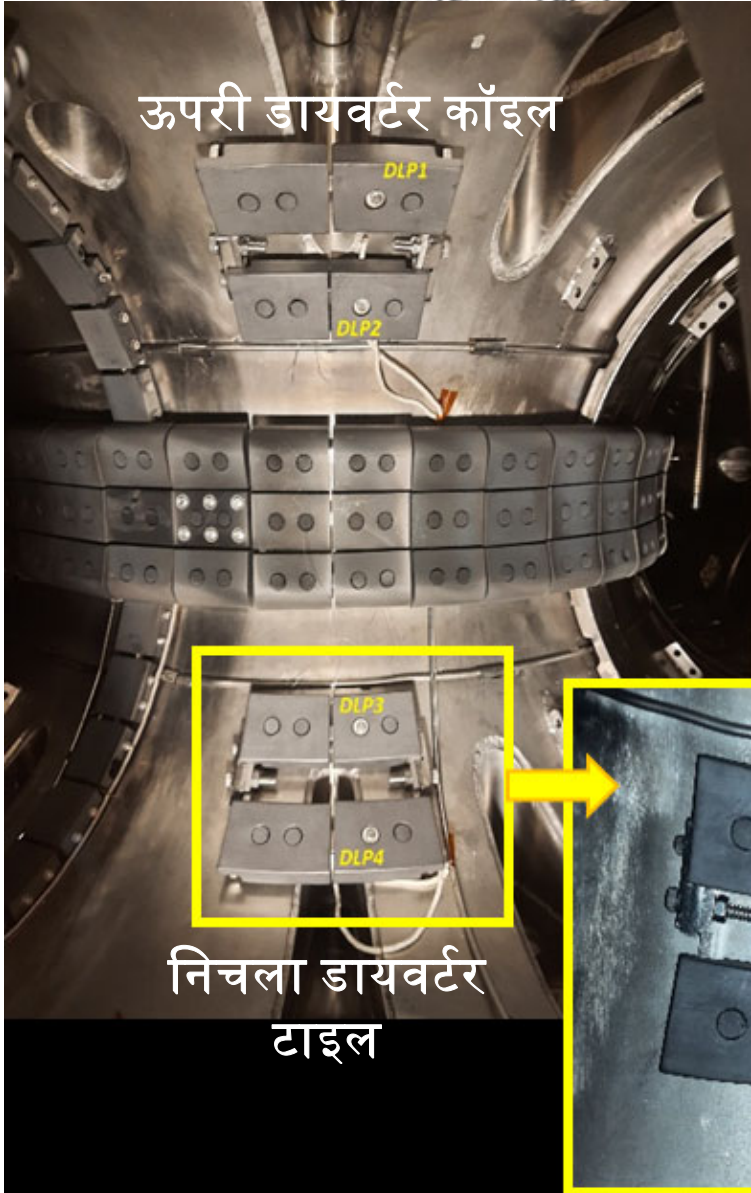
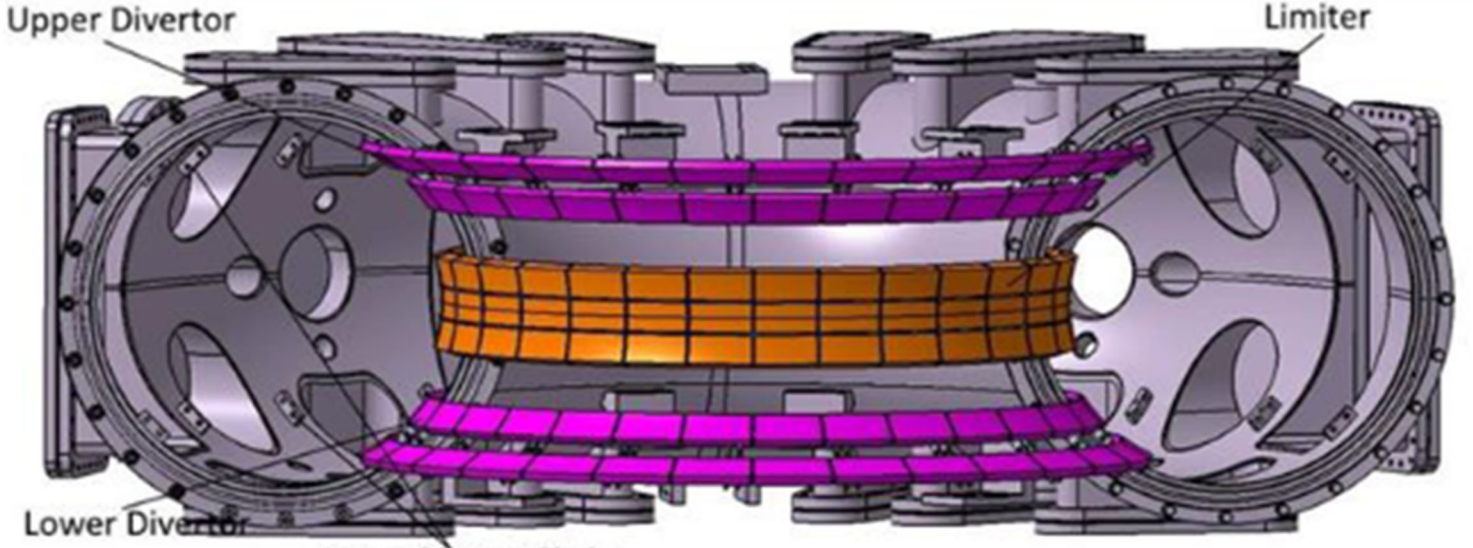


मैसर्स एफसीजी हाई-टेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध निष्पादन समारोह



मैसर्स सेनेर्ज इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस के साथ अनुबंध निष्पादन समारोह

आदित्य- अपग्रेड डायवर्टर प्लाज्मा फेसिंग कंपोनेंट्स (पीएफसी)के डिजाइन/सिम्युलेशन के पूरा होने के बाद, टाइल्स और सहायक संरचनाएं तैयार की गई हैं। ये ग्रेफाइट टाइलें विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे यूएचवी संगतता, अल्ट्रासोनिक क्लीनिंग, वैक्यूम फर्नेस में ऊष्मा उपचार आदि का उपयोग करके वैक्यूम अनुकूलित की गई (वीईएसडी समूह की सहायता से) हैं। हाल ही में, आदित्य-अपग्रेड पात्र के अंदर ऊपर और नीचे की ओर ग्रेफाइट डायवर्टर टाइल्स का पहला सेट स्थापित किया गया है। दोनों ऊपर और नीचे डायवर्टर टाइल्स असेंबली यूनिट (चित्र में पीले रंग में दिखाया गया है) में 4 अलग-अलग टाइलें हैं। प्रत्येक यूनिट में, डायवर्टर क्षेत्र में प्लाज्मा के गुणों का, विशेष रूप से प्रयोगों के दौरान आकार वाले प्लाज्मा का अध्ययन करने के लिए दो फ्लश लैंगमुइर प्रोब्स (लाल रंग से दिखाया गया है) स्थापित किए गए हैं। भविष्य में, इसी प्रकार के डायवर्टर टाइल यूनिट, पात्र के चारों ओर एक समान रूप से स्थापित की जाएंगी, जैसा कि नीचे के संकल्पनात्मक डिजाइन में दिखाया गया है। इस पूरे कार्य का नेतृत्व श्री कौशल पटेल ने किया है। आदित्य-अपग्रेड टोकामक को ऊपर उल्लिखित डायवर्टर प्लेट्स के साथ गोलाकार प्लाज्मा निर्माण में संचालित किया जा रहा है। यह आदित्य-अपग्रेड आकार वाले प्लाज्मा ऑपरेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जैसे कि हम धीरे-धीरे नई टाइलों की मौजूदगी में काम करने के अभ्यस्त हो जाएंगे। इन ग्रेफाइट टाइलों पर स्थापित लैंगमुइर प्रोब से भी महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।



ऊपरी डायवर्टर कॉइल

डायवर्टर लैंगमुइर प्रोब्स

निचला डायवर्टर टाइल



दक्षिणावर्त, ऊपर से: आदित्य-अपग्रेड की डायवर्टर टाइल यूनिटों को पात्र के चारों ओर समान रूप से स्थापित करते हुए दर्शाता योजनाबद्ध रूप; पात्र के अंदर यथावत् लैंगमुइर प्रोब का संयोजन; आदित्य-अपग्रेड में स्थापित ऊपर और नीचे की ओर डायवर्टर टाइलें और डायवर्टर लैंगमुइर प्रोब।

'तकनीक के साथ, विज्ञान की बात' हिंदी वक्तव्य श्रृंखला-4 के अंतर्गत 29 अगस्त 2022 को श्री भरत दोशी द्वारा 'इलेक्ट्रो मैग्नेटिक पल्स वेल्डिंग' विषय पर हिंदी में वार्ता दी गई। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सेनिमार हॉल में किया गया। इलेक्ट्रो मैग्नेटिक वेल्डिंग प्रक्रिया एक ठोस अवस्था की प्रक्रिया है, जिसमें दो अलग-अलग या समान धातुओं को जोड़ा जाता है। श्री भरत दोशी ने इलेक्ट्रो मैग्नेटिक पल्स द्वारा विभिन्न धातु को जोड़ने की प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से चर्चा की और श्रोताओं के संदेहों को दूर किया। वार्ता के पश्चात् वक्ता द्वारा इस विषय पर आधारित कुछ प्रश्न श्रोतागणों को पूछे गये और सही उत्तर देने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री राजसिंह ने इस तकनीकी विषय पर सरल भाषा में प्रस्तुति देने के लिए श्री भरत दोशी को धन्यवाद दिया और सेमिनार हॉल में उपस्थित श्रोतागणों को आगामी श्रृंखला में अपने प्रभाग की तकनीकी गतिविधियों पर हिंदी में वार्ता प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया।



प्रश्नोत्तरी सत्र



(बाएं) व्याख्यान देते हुए श्री भरत दोशी (दाएं) धन्यवाद ज्ञापन देते हुए श्री राजसिंह



आज़ादी का अमृत महोत्सव (AKAM) एक देशव्यापी अभियान है, जो भारत के लोगों को भारत की विकास यात्रा में उनके योगदान के लिए समर्पित है। संस्कृति मंत्रालय ने पऊवि की गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए 22-28 अगस्त, 2022 के दौरान इस सप्ताह को एक प्रतिष्ठित सप्ताह के रूप में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नियत किया।

आईपीआर ने 22-28 अगस्त, 2022 के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए प्रतिष्ठित सप्ताह मनाया। आईपीआर परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा, आईपीआर जन जागरूकता प्रभाग तथा भौतिकी विभाग, बीआईटी (मेसरा) द्वारा "प्लाज़्मा ज्ञान" नामक एक सप्ताह लंबा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्लाज़्मा पर एक प्रदर्शनी, इसके उपयोग और परमाणु संलयन पर एक कार्यक्रम जयपुर परिसर में आयोजित किया गया था।

इस सप्ताह के दौरान आईपीआर मुख्य परिसर में निम्नलिखित कार्यक्रमों और गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

22/08/2022: आईपीआर परिसर में वृक्षारोपण अभियान द्वारा प्रतिष्ठित सप्ताह की शुरुआत;

23/08/2022: अहमदाबाद के मूक बधिर स्कूल के 70 छात्रों का आईपीआर में दौरा;

24/08/2022: अहमदाबाद के मूक बधिर स्कूल के 64 छात्रों का आईपीआर में दौरा;

25/08/2022: एसएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज, गांधीनगर के 55 छात्रों का आईपीआर में दौरा;

25/08/2022: डॉ ईंदिरा नित्यानंदम, निदेशक, भारतीय भाषा संस्कृति संस्थान, गुजरात विद्यापीठ द्वारा "शताब्दी समारोह की ओर अग्रसर" विषय पर आज़ादी का अमृत महोत्सव व्याख्यान;

26/08/2022: आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में डॉ सुरेंद्र पाल, उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान (DIAT), पुणे, DRDO के सेवानिवृत्त कुलपति द्वारा "आत्मनिर्भर भारत: भारतीय GNSS मिसाल और अंतर्राष्ट्रीय रुझान" विषय पर वेबिनार

आईपीआर के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव और आत्मनिर्भर भारत" विषय पर निबंध और नारा लेखन और पोस्टर जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।



आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के परिसर में वृक्षारोपण अभियान



मूक-बधिर संस्था विद्यालय (स्कूल फॉर डेफ म्यूट्स सोसाइटी), अहमदाबाद के लगभग 134 छात्रों के दो समूहों ने प्रतिष्ठित सप्ताह के दो दिनों के दौरान अपने शिक्षकों के साथ संस्थान का दौरा किया। इन छात्रों को आउटरीच हॉल के साथ-साथ एसएसटी और आदित्य टोकमाक्स में प्लाज़्मा के विभिन्न प्रदर्शन दिखाए गए। इससे पहले छात्रों को प्लाज़्मा का एक संक्षिप्त परिचय भी दिया गया, जिसका उनके साथ आए शिक्षकों द्वारा सांकेतिक भाषा में अनुवाद किया गया। छात्रों ने इस शैक्षणिक दौरे में जो कुछ देखा, उसपर अपनी प्रतिक्रिया दी। निदेशक महोदय ने दिव्यांग छात्रों को संबोधित किया और उनसे चर्चा की।



मूक-बधिर छात्रों के साथ बातचीत करते हुए निदेशक महोदय



मूक-बधिर छात्र संस्थान के दौरे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए



एसएसआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गांधीनगर से इंजीनियरिंग के 55 छात्रों के एक समूह ने प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान आईपीआर का दौरा किया। उन्हें प्लाज्मा और उसके उपयोग पर एक परिचयात्मक व्याख्यान दिया गया और फिर जन जागरूकता हॉल में विभिन्न प्रदर्शन दिखाए गए। उन्हें आदित्य और एसएसटी-1 टोकामक प्रयोगशालाएं दिखाई गईं। इस प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान डॉ. सुरेंद्र पाल (उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान, पुणे के पूर्व कुलपति) के साथ-साथ डॉ इंदिरा नित्यानंदम (निदेशक, भारतीय भाषा संस्कृति संस्थान, गुजरात विद्यापीठ) की लोकप्रिय वार्ताओं का भी आयोजन किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव- पऊवि प्रतिष्ठित सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया और संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पऊवि द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

"आजादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में, आईपीआर ने 22-26 अगस्त, 2022 के दौरान बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मेसरा), जयपुर परिसर में "प्लाज़्मा ज्ञान" नामक एक वैज्ञानिक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा 22-28 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित प्रतिष्ठित सप्ताह का हिस्सा था।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती मुग्धा सिन्हा, आईएएस, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान की पहुंच बढ़ाने और छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने के लिए व्यापक रूप से परस्पर संवादात्मक संसाधन सामग्री का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस कार्यक्रम के भाग के रूप में बीआईटी जयपुर में प्लाज़्मा, उसके उपयोग और परमाणु संलयन पर एक प्रदर्शनी लगाई गई थी और जयपुर के कई स्कूलों के छात्रों और शिक्षकों के साथ-साथ बीआईटी परिसर के छात्रों ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया था। 26 अगस्त को विज्ञान शिक्षकों के लिए प्लाज़्मा और इसके उपयोग पर एक परिचय-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जिसमें 10 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था।

इस कार्यक्रम में जयपुर के 16 स्कूलों और कॉलेजों के 1000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, बीआईटी के इंजीनियरिंग के लगभग 30 छात्रों के साथ-साथ एक स्थानीय स्कूल के 12 वीं कक्षा के विज्ञान छात्रों को आगंतुकों को प्लाज़्मा प्रदर्शनी की व्याख्या करने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया था।

समापन समारोह की अध्यक्षता श्री आशुतोष वाजपेयी (आईएएस), संयुक्त सचिव, (आर्थिक कार्य विभाग), भारत सरकार द्वारा की गई।



कार्यक्रम का उद्घाटन



प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए श्रीमती मुग्धा सिन्हा



प्लाज़्मा प्रदर्शनी



बीआईटी (मेसरा), जयपुर परिसर में कार्यक्रम की तस्वीरें

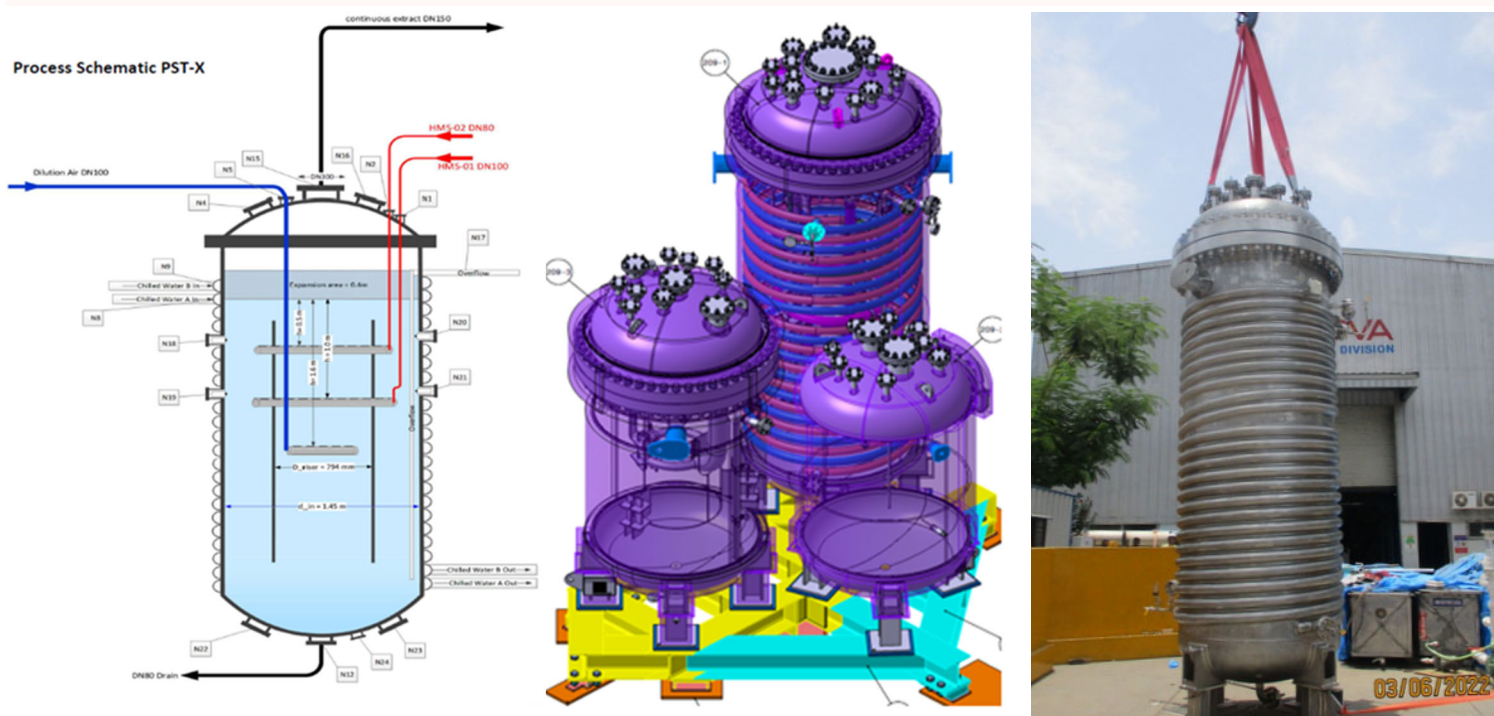
इटर भारत ने "हाइड्रोजन शमन संयंत्र पात्र (HMS) और आधारभूत ढांचे की आपूर्ति" नामक इटर के साथ हुए कार्य समझौते (TA) को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस कार्य समझौते के अंतर्गत HMS प्रक्रिया पात्र के डिजाइन विश्लेषण, निर्माण, परीक्षण, अनुरूपता का निर्धारण, पैकिंग और इटर को सुपुर्द किया गया।

ये सभी पात्र इटर के निर्वात पात्र दबाव अवरोधन संयंत्र (VVPSS) का भाग हैं जो कि इटर के निर्वात संयंत्र को अधिक दबाव के कारण होने वाली खरबियों से बचाता है। HMS पात्र में पूल स्क्रबर टैंक (PST) केंच (द्रुत शीतन) टैंक (QEN) और ओवरफ्लो (अधिप्रवाह) टैंक (OFT) एवं आधारभूत ढांचा सम्मिलित है। इसका मुख्य कार्य टोकोमॉक विस्तार में रेडियोधर्मिता का परिरोधन है और PST, QEN एवं OFT के आयतन क्रमानुसार 7 m³, 5 m³ and 3 m³ हैं। PST पात्र, जो कि सबसे बड़ा है उसका बाहरी व्यास लगभग 1.5 मीटर और कुल लंबाई लगभग 5 मीटर है।

PST की मुख्य कार्यकारी आवश्यकताओं में संघनन और वाष्प/हवा/हाइड्रोजन/धूल आदि के करण जमा हुई गैस का मार्जन, बची हुई गैस का हवा में मिश्रण और अति-तापन को कम करने लिए अनिवार्य शीतलन सम्मिलित हैं। QEN की मुख्य कार्यात्मक ज़रूरतों में प्रक्रिया गैस द्वारा बनी वाष्प/हवा/हाइड्रोजन/धूल मिश्रण का शीतलन और संघनन कार्य है। OFT की मुख्य कार्यात्मक ज़रूरतों में द्रव और गैसीय वाष्प के मिश्रण की प्राप्ति, दोनों अवस्थाओं का पृथक्करण और साफ किए द्रव को पम्पिंग संयंत्र तक पहुँचना है।

पात्रों को चतुर्थ श्रेणी (IV) एवं द्वितीय स्तर के नाभिकीय दाब संयंत्र के अंतर्गत मुख्य सुरक्षा वर्ग 1 (SIC-1), गुणवत्ता वर्ग 1 (QC-1) और ट्रिथियम वर्ग 2A (TC2A) और नाभिकीय दाब संयंत्र (ESPN) में वर्गीकृत किया गया है, जिसके कारण ANB (Agreed Notified Body यानी सहमत अधिसूचित निकाय) द्वारा अनुरूपता निर्धारण आवश्यक है। डिज़ाइन किया दाब 20 ba (गैस) और डिज़ाइन ताप 130 °C है। पात्रों को बाहरी ओर से (हटाने योग्य डिज़ाइन द्वारा) PST पात्र से रोधित किया गया है जिसमें बाह्य शीतलन जैकेट डिज़ाइन और आंतरिक उठने वाले समायोजन हैं।

इटर भारत ने यह कार्य मैसर्स INOX इंडिया (निर्माता) के सहयोग से किया और HMS पात्र और आधारभूत ढांचे को सफलतापूर्वक इटर स्थल पर भेज दिया है। अनुबंध पूर्ण करने के दौरान, अनुरूपता विश्लेषण का कार्य ANB (मैसर्स ब्यूरो वेरिटास, फ़्रांस) द्वारा किया गया।



(बाएँ) प्रक्रिया का योजनाबद्ध रूप (मध्य) 3 डी विन्यास (दाएँ) पीएसटी का भारोत्तोलन परीक्षण आयोजित किया जा रहा है



(बाएँ) प्रेषण के लिए तैयार पीएसटी (दाएँ) इटर साइट पर एचएमएस वैसल को उतारा जा रहा है

हिंदी पखवाड़ा, 2022 - सीपीपी-आईपीआर

प्लाज़्मा भौतिकी केंद्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) सोनापुर, असम के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 20/09/2022 को सुबह 10 बजे से हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया और जो 29/09/2022 तक आयोजित होगा।

सर्व प्रथम मुख्य अतिथि डॉ. शर्मिला ताये, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, गुवाहाटी को "फूलम गामोछा" और "स्मृति चिन्ह" देकर स्वागत किया गया। इसके बाद इस केंद्र के कार्मिकों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुती के साथ हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् कार्यकारी केंद्र निदेशक ने राजभाषा हिंदी के इतिहास से सभी को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस केन्द्र के अधिकारी और कर्मचारी अपनी ज़िम्मेदारी को समझते हुए अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का प्रयास करेंगे। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. शर्मिला ताये द्वारा हिंदी कार्यशाला का आरंभ किया गया, जिसमें उन्होंने राजभाषा नियम, अधिनियम और सामान्य हिंदी व्याकरण पर व्याख्यान दिये। साथ ही उन्होंने हिंदी में आमतौर पर कार्य करने में आ रही समस्याओं और उसके निवारण पर भी चर्चा की। अंत में जलपान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ दिनांक 20/09/2022 का कार्यक्रम समाप्त हुआ।



सीपीपी-आईपीआर में आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

राज्यों के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों का 'गुजरात विज्ञान सम्मेलन' 10-13 सितंबर, 2022 के दौरान साइंस सिटी अहमदाबाद में आयोजित किया गया था। राज्यों के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की यह एक बैठक थी। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, गुजरात साइंस सिटी, अहमदाबाद में विभिन्न विभागों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। इस प्रदर्शनी में पड़ुवि के पैविलियन में प्लाज्मा पायरोलिसिस, प्लाज्मा नाइट्राइडिंग और डीप सीएक्सआर एआई सॉफ्टवेयर के कार्यकारी मॉडल प्रदर्शित किए गए। सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शनी का दौरा किया गया।



गुजरात विज्ञान सम्मेलन में आयोजित प्रदर्शनी के चित्र



(बाएँ) सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और (दाएँ) अध्यक्ष पञ्जाब एवं सचिव पञ्जाब, आईपीआर स्टॉल का दौरा करते हुए

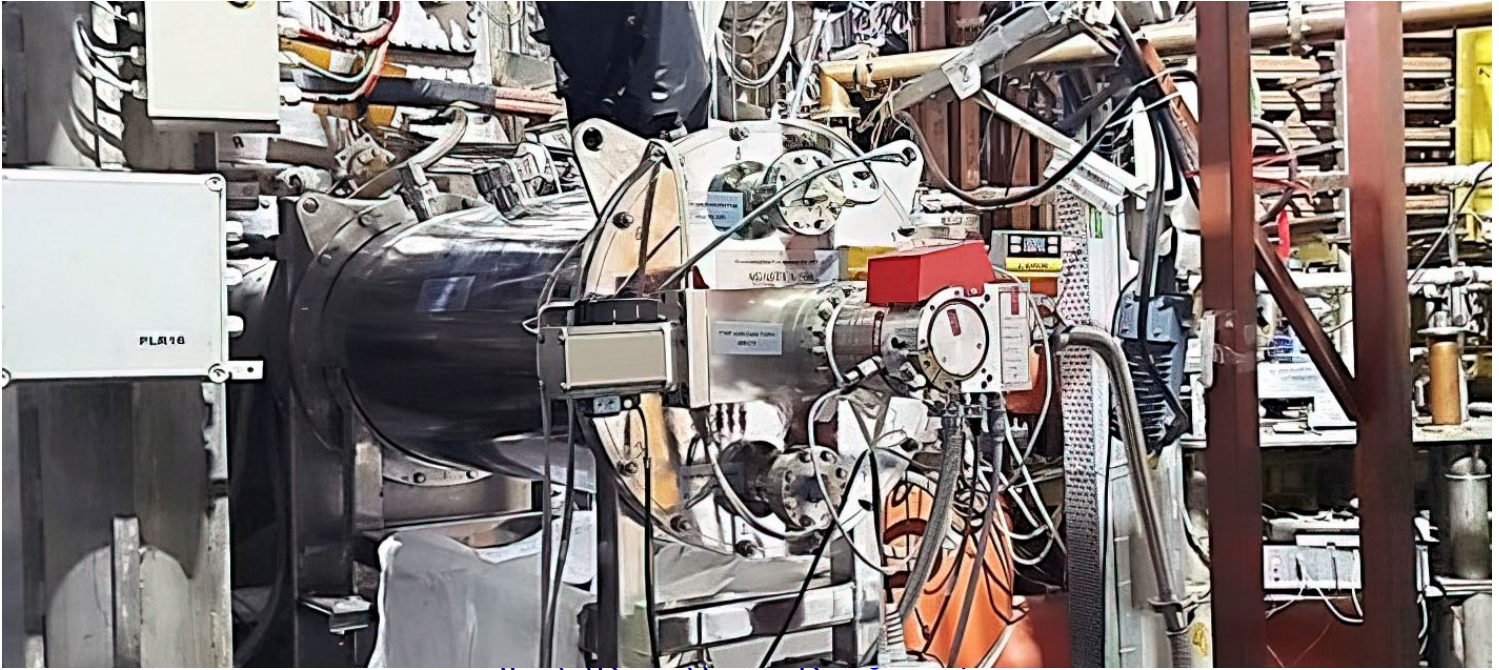


श्री के.एन. व्यास, अध्यक्ष पञ्जाब एवं सचिव पञ्जाब द्वारा प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान और साइंस सिटी, अहमदाबाद का दौरा



एसएसटी-1 टोकामक पर तरल नाइट्रोजन शीतलित क्रायोपंप की स्थापना

एक तरल नाइट्रोजन शीतलित सोरप्शन क्रायोपंप को स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है और एसएसटी-1 टोकामक पर लगाया गया है। यह जल वाष्प के लिए 26,000 लीटर/सेकेंड और नाइट्रोजन के लिए 3,000 लीटर/सेकेंड की पंपिंग गति प्रदान करता है। इसकी एक खास लक्षण यह है कि यह 110 डिग्री सेल्सियस पर वैक्यूम वैसल के बेकिंग के दौरान भी अच्छी तरह से संचालित होता है, जिससे पंप पर उच्च विकिरण ताप भार होता है।



एसएसटी-1 के रेडियल पोर्ट पर स्थापित सोरप्शन पंप का दृश्य

सुस्वागतम! इटर संगठन के नये महानिदेशक डॉ. पिएत्रो बरबास्ची



डॉ. पिएत्रो बरबास्ची
महानिदेशक, इटर

मई 2022 में तत्कालीन महानिदेशक डॉ. बर्नार्ड बिगोट के निधन के बाद, इटर परिषद ने उनके उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए भर्ती प्रयास शुरू किये। इसके बाद, इटर परिषद ने डॉ. पिएत्रो बरबास्ची को इटर संगठन के अगले महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है और अक्टूबर 2022 में उनके पदभार ग्रहण करने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रो-मैकेनिकल इंजीनियर के रूप में प्रशिक्षित, पिएत्रो बरबास्ची ने लगभग अपना पूरा करियर संलयन अनुसंधान की सेवा में समर्पित किया है। इटली में विश्वविद्यालय के अध्ययन के कुछ समय बाद, वे संयुक्त यूरोपीय टोरस, जेईटी में शामिल हो गए, जहां उन्होंने मशीन विकास विभाग में काम किया। इटर के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन गतिविधियों (ईडीए) के चरण के दौरान, वे सैन डिएगो (यूएसए) में संयुक्त कार्य स्थल और बाद में गार्चिंग/म्यूनिख (जर्मनी) में संयुक्त कार्य स्थल का हिस्सा थे, जहां 2006 तक वे उप प्रोजेक्ट लीडर और डिजाइन एकीकरण प्रभाग के प्रमुख थे। वर्ष 2008 से श्री बारबास्ची व्यापक दृष्टिकोण कार्यक्रम एवं इटर में यूरोप की ओर से योगदान के लिए उत्तरदायी यूरोपीय संघ संगठन के ऊर्जा के लिए फ्यूजन (F4E) के लिए सुपुर्दगी के प्रमुख रहे हैं।(स्रोत: www.iter.org)। प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान की ओर से, हम उनकी नई भूमिका में सफलता के लिए कामना करते हैं।

शीर्षक	पृष्ठ सं.	शीर्षक	Page No
संस्थान की प्रौद्योगिकियों का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	01	हिंदी पखवाड़ा, 2022 - सीपीपी-आईपीआर	10
आदित्य-अपग्रेड-अपडेट	02	गुजरात विज्ञान सम्मेलन में संस्थान की प्रतिभागिता	11-13
तकनीक के साथ, विज्ञान की बात	03	एसएसटी-1 पर LN2 कूल्ड क्रायोपंप की स्थापना	13
आज़ादी का अमृत महोत्सव-पऊवि प्रतिष्ठित सप्ताह	04-06	सुस्वागतम! इटर संगठन के नये महानिदेशक	13
बीआईटी (मेसुरा) जयपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रतिष्ठित सप्ताह कार्यक्रम	07-08	सहकर्मी परिचय	14
इटर- अद्यतन - हाइड्रोजन शमन प्रणाली पात्र	09	विभिन्न कार्यक्रमों में व्याख्यान	14

सहकर्मी परिचय



श्री यशेशकुमार त्रिवेदी, आईपीआर में इंजीनियर-एससी के रूप में मई 2009 में नियुक्त हुए और वर्तमान में ये जल शीतलन एवं एसी अनुभाग में वैज्ञानिक अधिकारी-ई के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आईपीआर और एफसीआईपीटी के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कई जल शीतलन प्रणाली और एचवीएसी से संबंधित कार्यों की अवधारणा से लेकर उसे पूर्ण करने में अपना योगदान दिया है। उन्होंने एसएसटी -1 के क्षेत्र के लिए एसएसटी -1 वातानुकूलन प्रणाली, कैटीन के लिए DX प्रकार की वातानुकूलन प्रणाली, न्यूट्रॉनिक्स प्रयोगशाला और औद्योगिक प्लाज्मा प्रौद्योगिकी सुविधा केन्द्र(एफसीआईपीटी) की प्रयोगशालाओं के साथ-साथ मूलभूत प्रायोगिक प्रयोगशाला, एलवीपीडी प्रयोगशाला, एचवीडीसी प्रयोगशाला आदि के लिए जल शीतलन प्रणाली के डिजाइन, खरीद, परीक्षण और कमीशनिंग को भी अंजाम दिया है। उन्होंने कई SST-1 प्रचालन अभियानों में भाग लिया है। उनकी विशेषज्ञता के अन्य क्षेत्रों में पी एंड आईडी की तैयारी, पाइपिंग और प्लांट लेआउट डिजाइन और फ्लो एनालिसिस के लिए ऑटोकेड और फेदम जैसे सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग शामिल हैं। उनके कार्य से कार्यक्षेत्र का वातावरण अधिक उत्पादकता और गुणवत्तामय हुआ है।

विभिन्न कार्यक्रमों में आयोजित व्याख्यान



27 अगस्त, 2022 को भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान(आईआईटीई), गांधीनगर द्वारा " सतत विकास के लिए भौतिक विज्ञान में प्रगति (एनसीएपीएसएसडी - 2022) पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ मुकेश रंजन ने "सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए प्लाज्मा का उपयोग" विषय पर एक व्याख्यान दिया।



आईपीआर के कंप्यूटर केन्द्र के श्री दीपक अग्रवाल ने 16 सितंबर 2022 को पुणे, महाराष्ट्र में कन्वर्जेंस ऑफ सिमुलेशन, एचपीसी और एआई पर आयोजित अल्टेयर प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2022 (एटीसी-2022) में " एचपीसी सिमुलेशन द्वारा आईपीआर के वैज्ञानिक उद्देश्यों को कैसे संवर्धित किया जा रहा है " शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।



डॉ.ए. वी रवि कुमार ने भौतिकी विभाग, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी), कोच्चि में 15-सितंबर, 2022 को आयोजित "2022 फिज़िक्स अलुमनी कोलोक्यम" में "प्लाज्मा-मानव जाति का नया हथियार" विषय पर व्याख्यान दिया। सीयूएसएटी(CUSAT) के पूर्व छात्रों द्वारा व्याख्यान की यह एक सतत श्रृंखला है जो भौतिकी विभाग, सीयूएसएटी के 50वें वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है।

प्लाज्मा समाचार समिति के सदस्य

छाया चावडा	डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार त्यागी	धर्मेश पुरोहित	निशा	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी
------------	-----------------------	-----------------------	----------------	------	----------------	--------------

'प्लाज्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री आईपीआर के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने लिए आईपीआर की न्यूज़लेटर टीम को विशेष आभार।

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान
भाट, इंदिरा ब्रिज के पास
गांधीनगर -382428
गुजरात (भारत)



वेबसाइट : www.ipr.res.in
ईमेल : hindi@ipr.res.in
दूरभाष : 91-79-2396 2000
फैक्स : 91-79-2396 2277